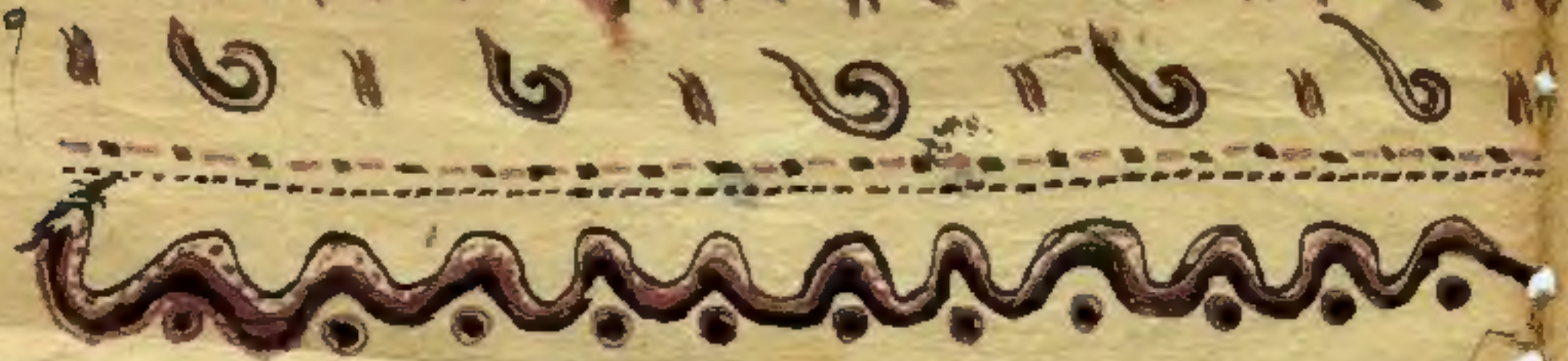


ॐ गीता शोभा या नमः ४००

१० चौरलागतः प्यारे वनमे प्यारे वनम् ५ चो
रलागत प्यारे वनमेः दक्षिणा दिसा सों आई जो
गि आसन वादि के वैठे व वनम् प्यार ॥ २ ॥ २ ॥
राजा दसरथ ने वागल दनि हे फुल र हे फुल वा
रिव न म्प चौरलागत प्यारे व नम् ॥ ३ ॥
॥ ३ ॥ काहा गय राम जिः काहा गय लछि
मन् का गये जान क दोरा ई वनम् चौरला
गत प्यार वनम् ॥ ४ ॥ ४ ॥ वनहि म्प राम
वनहि मे लछि मन् वनहि मे जन क दलाई
वनम् चौरलागत प्यारे व नम् ॥ ५ ॥ ५ ॥
॥ ५ ॥ भिक्षा ले जो गीदार मे ठारि की रिवा
ले रिवा दोरा ई कम्प चौरलागत प्यारे वनम् ॥ ६ ॥
॥ ६ ॥ भिक्षा ले जो गी २ दार मे ठारि दारि म्प
ठारि का वगल सपारि चौरलागत प्यार वनम्



राधागोसाजी नमः

रागभैरव ॥ ॥ उधोसुनिआवतहसि ॥ ई
 आदिककोकोनचलाई ॥ संकरकरतसुवा
 सि ॥ काहाकोटिब्रह्मांदकेनायककाहाकोस
 कियासि ॥ अगननिगनजाकेपारनपायेसोऊ
 विजाजागहवासि ॥ ३ ॥ १ ॥ १ ॥
 किमिलाजाकेचरणपलेठे ॥ कोनगनेकुविजासि ॥
 सुरदासऐसेभक्तिवत्सल ॥ बांधोप्रेमकिफासि ॥ ३
 धो ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥
 रागभैरव ॥ ॥ जेजेत्रिपुरसुन्दरि ॥ हेमा ॥ ज्योति
 ज्वालजगेनिमिवासरजगतसुधारनिहे ॥ ज
 जायपुकारतआरतहे ॥ तुमकाजस ॥ बारनि
 हे ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ दुर्गेदलनि ॥ लसुरसिरम
 र्दिसिंहसवारनिहे ॥ धननंप ॥ २ ॥ २ ॥
 तोहरूपअनंतकोटिद ॥ विद्याजेनोपुरवाजे
 पाव ॥ पैजरियोवाजे ॥ जन ॥ ३ ॥ ३ ॥
 नवनितनयनतनयनतनालतवलतनसं
 भुगियारि ॥ गुरुधुववचनगुहस्याममिल
 नकर्मश ॥ तिहे ॥ मासरन ॥ पजेजे ॥ ४ ॥
 ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥



मेलुधा व काम
हगाउग तमावाल

2808
ASHA ARCHIVES

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

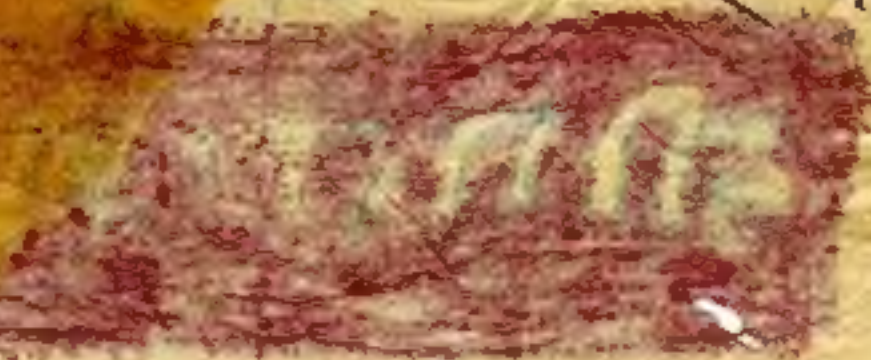


Handwritten text in a script, possibly Hebrew or Arabic, located in the lower right quadrant of the page. The text is written in two lines and appears to be a signature or a date.

3085

पुनः/ह
Continued

15x23 1/2
2 1/2



Handwritten text in Devanagari script, appearing to be a continuation of a document. The text is written in a cursive style and is somewhat faded. It consists of approximately 15 lines of text, with some lines starting with a small symbol or character. The text is written on aged, yellowed paper.



2808

ASHA ARCHIVES

रागर ॥ मम तागई न मेरित न तै ॥ २ ॥ जे से श
 शि मे द वि न स्या हि दु त त ॥ न को टि ज त न तै ॥ १ ॥
 ॥ १ ॥ पा के न सदा के साथि ज्योति गये मुख न तै
 ॥ प गु था के कट काप न ला जे ला ज गये ग रा तै ॥
 म म ॥ २ ॥ सु न त नु श्र व न को हु के व ल ग ई ई
 प्रि ग रा तै ॥ दू टे द स न व च न हि आ व त सो भा ग ई
 ई मुख न तै ॥ म म ॥ ३ ॥ ३ ॥ भा ई भ ती जा
 प्रेम पि यार नारि नि काल त दार तै ॥ क फ पि न वा त
 की ठ आ ई वे ठे सु त हित वो ल त दार तै ॥ म म ॥ ४ ॥
 ॥ ४ ॥ त द द पि र ग ई न आ स जी व न कि लो
 ॥ भ य रा ई ध्व न तै ॥ ल क्ष्मी पति भ म रा जा त न क
 ब हि बि नु ह रि ना ॥ म भ ज न तै ॥ म म ॥ ५ ॥ ५ ॥

रा गरि क ता ॥ दे वि लो क पा लि नि द नु
 ज गं जि नि ॥ प्र रा त गि रि व र नं ॥ डि नि ॥ दे वि
 ॥ १ ॥ १ ॥ क व ल ह सि नि द न ॥ स कि नि
 मार त अ सर नि ष ॥ रि ड नि च ड सो दि त प दे
 वि नि क र व स न वि धा रि नि ॥ दे वि ॥ २ ॥ २ ॥

मारुत असर निष... रिड निचड मा। हत पद
विनि कठ वसन विध्वारि नि॥ देवि ॥ २ ॥ २ ॥
जगत वंदि निललित रंजि निध्वारत अभय नि
संकि नि सि व घर लो नित पदे वि क हत डु ग वर मा
नि नि ॥ देवि ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

सुन
गरा निर्गुन ॥ ॥ सुन रण नाथ जिघरे दिगन्
सं हो गुजारा होः तरु विजा वो म न माने ह्य से न र
॥ हो गुजारा हो ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

० रागकायि ॥ ॥ माईकैकेश्वरिआदि भवारावि
 उदचव्यापकतोहेठकराति ॥ सिंहचठिदेविग
 रजतरराविचसुनतरिपुकुलवासि ॥ सारिअसु
 लसवपिव्रतरुधीरदेतअखिलगतहासि ॥ माई
 ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ मुशरारिअजराडाडहल
 कीसारैमुनुमालअतिसोये ॥ य ॥ दुषुमर
 धरपिव्रतमदरसमोभावर्णिनजाये ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥ लक ॥ दूतमोहेचाचतसैकरुमाथे ॥
 ॥ ३ ॥ ३ ॥ भगुतअनंतविप्रतुवकम
 नयक्ष्पाफलअववरपाड ॥ जिवनसुफल
 करो ॥ कमानाअतकालगति ॥ पड ॥ ४ ॥
 ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥

रागपुर्वि ॥ ॥ मोहनमुखदेखनदेनचरा
 ० नितेरिसुतकिदेखनकारनछाडिचलेराजध्यानि
 ॥ मुम ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ जोसुखदेतममररनया
 येवह्नासेससुरेसभवानि ॥ मुष ॥ २ ॥ २ ॥

॥ ३ ॥ सनक सनातन नारद सुनिवेन ॥ न
 हि पाये मुनिशति ॥ मुख ॥ ३ ॥ ३ ॥ ल
 क्ष्मि पतिदारे परठडे दर मरा को हर हर हर कि ॥
 मुख देखे न दे न चरानि ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥
 ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥

० राग सारंग ॥ का सुलतानि वलखू वंछाडे
 का ॥ जाके घावत यचि जो जिख हा मिहा छाडे
 का ॥ सोय वटू कर पाव लागे कवसाज अकाडे
 का ॥ १ ॥ १ ॥ जाके पहिरे मलमल छा
 सापा ॥ चतके तोले का सोयवते जी लिय फकिरि
 ॥ नौ मन गुदर भारे ॥ जाके संग चले दलवा दल सब
 दहुवानु मारे का ॥ २ ॥ २ ॥ जो मर्यो छे
 ने खुलि उडे ध्वम धारे का ॥ यफकिरिछो जान
 विचारे का ॥ ३ ॥ ३ ॥ यकल ॥ छतरहि
 सकाल छे ॥ खुली उडे ध्वम धारे का ॥ ४ ॥ ४ ॥
 नानक दास वैरागि जमुतडे का ॥ अल ॥ ४ ॥

० ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥ ४ ॥

गुरुदास

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

निवृत्तये गच्छेत् ॥ अथ श्रौतपत्रे वसुकां

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मार्गपर्यायः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ काव्यसूत्रे ॥ १॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशोत्सवः ॥

मन्त्रादि। वृद्धादि। वारवसकाप्रकरे ॥ ५॥

॥ सावित्र्य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ अथ ब्राह्मणस्य ॥

॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

